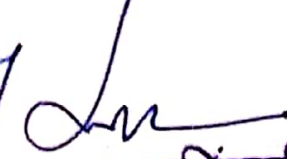


23-7-19

वरील प्रार्थी उपा. वरील प्रार्थी के जमी  
 अप्राथमिक के बिन्दु परकीय अर्थात् होने  
 व किसी भी अप्राथी के उप. करी होने पर  
 एक परीय बदन बटे हुए विराजतक ल-परी  
 में अपने एक-दिके तक की व्यक्ति पर  
 ता के जला बाद पूर्व के जायी अ-प्राथी के धारा  
 से ल-प्राथी के का विवेक किया। वरील  
 प्रार्थी की बदन पर गीरे बले पर जाणसे  
 में पूर्व में जायी अंतर्कि अ-प्राथी ल-प्राथी  
 दिनांक 23-7-18 को मूल बाद के फेंजला  
 तक ल-प्राथी किया जाया 17 पत्रावली  
 फेंजल युवा दौकर मूल बाद-पत्र के  
 नाम जलोग है

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 रायसिंहनगर